# VISION IAS

www.visionias.in

VISION IAS
M N
07 AUG 2024
No. 3
RECEIVED

## GENERAL STUDIES (TEST CODE : 2356)

| | | | |
|---|---|---|---|
| Name of Candidate | SUSHMA SAGAR | | |
| Medium Hindi/Eng. | HINDI | Registration Number | 1370539 |
| Center | MN | Date | 7-8-24 |

### INDEX TABLE

| Q. No. | Maximum Marks | Marks Obtained |
|---|---|---|
| 1(a) | 10 | |
| 1(b) | 10 | |
| 2(a) | 10 | |
| 2(b) | 10 | |
| 3(a) | 10 | |
| 3(b) | 10 | |
| 4(a) | 10 | |
| 4(b) | 10 | |
| 5(a) | 10 | |
| 5(b) | 10 | |
| 6(a) | 10 | |
| 6(b) | 10 | |
| 6(c) | 10 | |
| 7 | 20 | |
| 8 | 20 | |
| 9 | 20 | |
| 10 | 20 | |
| 11 | 20 | |
| 12 | 20 | |

**Total Marks Obtained:**

**Remarks:**

## INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न–पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **TWELVE** questions printed in **HINDI & ENGLISH.**
   इसमें बारह प्रश्न हैं अंग्रेजी और हिन्दी में छपे हैं।
3. **All questions are compulsory.**
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

**Is student recommended for One-to-One mentoring?**

| Recommended | Strongly Recommended |
|---|---|

# EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

**Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:**

1.

2.

3.

4.

5.

6.

**All the Best**

For one-to-one mentoring session on this copy, call us at 7042691891 or send an email to appointment@visionias.in

2356

# VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

खंड A / SECTION A

**निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 150 से अधिक शब्दों में न दें:**

**Answer the following questions in not more than 150 words each:**

1. **(a)** भारत में औपचारिक शिक्षा परिवार-आधारित शिक्षा के पूर्वाग्रहों का प्रतिकार करने के साथ-साथ स्वतंत्र सोच को कैसे बढ़ावा दे सकती है? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

How can formal education in India counteract family-dependent learning biases and promote independent thinking? (Answer in 150 words) 10

"शिक्षा का उद्देश्य आध्यात्मिक विकास, पूर्वाग्रहों का प्रतिकार करना, स्वतंत्र सोच को बढ़ावा देना तथा चरित्र निर्माण है"
- स्वामी विवेकानंद

समाजीकरण की प्रक्रिया के दौरान सांस्कृतिक मूल्यों के विकास के साथ कई पूर्वाग्रहों का विकास भी देखा जाता है
- पितृसत्तात्मक सोच (दहेज प्रथा, बाल विवाह अभी भी जारी)
जातिगत दुर्भावना (NCRB की रिपोर्ट→2022 मे 2021 की तुलना में SC व ST के प्रति हिंसा में क्रमश: 13% व 14% की वृद्धि देखी गई। उपर्युक्त उदाहरण दर्शाते हैं कि कभी कभी परिवार-आधारित शिक्षा पूर्वाग्रहों को विकसित करने व स्वतंत्र सोच को अवरुद्ध करने का कार्य करते है।

औपचारिक शिक्षा द्वारा पूर्वाग्रहों का प्रतिकार करना →

2356
VISION IAS™

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

- शिक्षक व सम्पूर्ण शिक्षण संस्थान के व्यक्तियों द्वारा समानता के आधार पर सभी छात्र - छात्राओं के साथ व्यवहार करना। eg- मिड डे मील में सभी का एक साथ खाना।

- बच्चों में आरम्भ से ही संवैधानिक नैतिकता के तहत सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक, समानता वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देना, तर्कशीलता को प्रोत्साहित करना। eg- निबंध, वाद-विवाद, चित्रकला रंगोली संबंधी प्रतियोगिताओं द्वारा।

- पूर्वाग्रहों के आधार पर व्यवहार करने के लिए दण्ड का प्रावधान

औपचारिक शिक्षा द्वारा स्वतंत्र सोच को बढ़ावा

→ प्रश्न पूछने की प्रवृत्ति को बढ़ाना (eg- अरस्तू)

→ अकादमिक शिक्षा के साथ-साथ प्रायोगिक शिक्षा, शारीरिक शिक्षा (खेल) मानसिक शिक्षा (ऐसी प्रतियोगिताएं जो मानसिक विकास को प्रोत्साहित करें) नीतिशास्त्र आदि को शामिल किया जाए।

→ शिक्षा पद्धति रटने के स्थान पर विश्लेषणात्मक पद्धति के आधार पर

→ परीक्षाएं स्वतंत्र सोच को बढ़ावा देने के अनुरूप हो।

शिक्षण संस्थान, घर के बाद के दूसरे महत्वपूर्ण स्थान है जहाँ व्यक्ति में मूल्यों का विकास होता है अतः लोकतंत्र की एक इकाई के रूप में समानता व स्वतंत्र सोच को बढ़ावा देने वाला होना चाहिए।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

1. **(b)** सोशल मीडिया के उदय से डोपामाइन चेजिंग यंगस्टर(Dopamine-chasing youngsters) की संख्या में वृद्धि हुई है जो तत्काल संतुष्टि चाहते हैं। क्या आप इस दृष्टिकोण से सहमत हैं? कारण बताइए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

The rise of social media has increased the number of dopamine-chasing youngsters who want instant gratification. Do you agree with this view? Give reasons. (Answer in 150 words) 10

सोशल मीडिया ने व्यक्ति व समाज के स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक वृहद प्रभाव डाले है जिसका एक उदाहरण है डोपामाइन चेजिंग यंगस्टर की संख्या में वृद्धि

सोशल मीडिया के उदय से डोपामाइन चेजिंग यंगस्टर की संख्या में वृद्धि के कारण

**तत्काल संतुष्टि**

- → ज्ञानवर्धक बड़ी वीडियोज के स्थान पर रील या शॉर्ट्स जैसे अन्य माध्यमों का मनोरंजन के वृहद साधन के रूप मे उभरना
  ए- इंस्टाग्राम रील्स टिकटोक, यूट्यूब शॉर्ट्स
- → कम समयग्राह्य
- → कम धैर्य की आवश्यकता
- → लत के रूप में विकसित होना
- → फोकस व संकेंद्रण की क्षमता का घटना

**कारण** →

(1) → इंटरनेट का बढ़ता प्रयोग →
(2) → सोशल मीडिया यूजर्स की बढ़ती संख्या

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

- अधिक मनोरंजनपूर्ण साधन (समाचार पत्र, पत्र पत्रिकाओ या जर्नल की अपेक्षा)
- मनोवैज्ञानिक संतुष्टि
  - लाइक्स व कमेंट्स के माध्यम से स्वयं की सामाजिक स्वीकार्यता का अहसास होना।
- → सफलता के एक माध्यम के रूप मे देखा जाना (यूट्यूब को प्रोफेशन के रूप मे चुनना)
- → एकल परिवार
  - सोशल मीडिया भावनात्मक संबंधो की जगह लेता है (eg- फेसबुक फ्रेंड्स)
- → मानसिक परिपक्वता का अभाव
  - सोशल मीडिया की लत के रूप मे विकसित हो जाना
- → सोशलमीडिया की एल्गोरिद्म
  - व्यक्ति के पसंद की चीजो का बार-बार रिकमेंड करना
- → बेंथम व जॉन मिल के सुख की अवधारणा के एक रूप क्षणिकवादी सुख को बढ़ावा मिलना।

डोपामाइन चेंजिंग सेंसेशन की संख्या बढी है इसे समाजीकरण की प्रक्रिया में अधिक भावात्मक संबंधों पर बल देने, मानसिक संवेदना को बढ़ावा देने के लिए शिक्षण संस्थानों व घर में ध्यान, योग आदि को बढ़ावा दिया जाना चाहिए ताकि युवा अपने जीवन में संतुलित व्यवहार कर सके तथा समय व परिस्थिति की आवश्यकतानुसार अपने व समाज हित में सोशल मीडिया का उपयोग कर सके।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. (a) किसी निजी संगठन के संचालन में जनसंपर्क एक प्रमुख घटक होता है। जनसंपर्क के प्रबंधन से जुड़े नैतिक विचारों पर चर्चा कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Public relations are a key component in the operations of a private organisation. Discuss the ethical considerations associated with managing public relations. (Answer in 150 words) 10

निजी संगठन के संचालन में जनसम्पर्क की भूमिका महत्वपूर्ण होती है अतः सभी हितधारकों के हितों के लिए इसके प्रबंधन से जुडे नैतिक विचारों की महत्ता वृहद है।

जनसंपर्क के प्रबंधन से जुडे नैतिक विचार

→ जनसंपर्क कंपनी को तटस्थता के नियम का पालन करना चाहिए।

→ उसे कंपनी के मध्यस्थ के रूप में कार्य करने के स्थान पर मात्र संपर्क बिंदु के रूप में ही कार्य करने पर बल देना चाहिए।

→ पारदर्शिता का पालन
↳ जिससे लोगों का विश्वास बना रहे।
↳ संपूर्ण जानकारी देना (आधे-अधूरे तथ्यों के स्थान पर)

- ऑडिटिंग।
  - ↳ पारदर्शी रूप से कराई जानी चाहिए।
  - ↳ स्वतंत्र या थर्ड पार्टी द्वारा कराई जा सकती है।
  - ↳ वित्तीय लेन-देन में शुचिता बनी रहे।
- जवाबदेहिता को विकसित करना
- → सत्यनिष्ठा व ईमानदारी का पालन किया जाना चाहिए जिससे लोगों के हितों पर नकारात्मक प्रभाव न पड़े।
- → उपयोगितावादी सिद्धांत के अनुरूप अधिकतम लोगों के हितों के अनुरूप कार्य करना।
- → संवैधानिक नैतिकता (constitutional morality) के अनुरूप समता, चयन की स्वतंत्रता, गुणवत्ता, भेदभावहीनता आदि पर कार्य।
- → सर्वोत्तम मॉडल के अनुरूप सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार।

उपर्युक्त के माध्यम से जनसंपर्क कंपनियाँ वृहद समाज के हित में विकसित भारत @2047 की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकेंगी।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. (b) निजी क्षेत्रक में कर्मचारियों के प्रदर्शन पर नजर रखने के लिए सर्विलांस टेक्नोलॉजी के उपयोग से संबंधित नैतिक चिंताएं क्या हैं? कंपनियां प्रदर्शन की निगरानी के साथ कर्मचारी की निजता को कैसे संतुलित कर सकती हैं? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

What are the ethical concerns related to the use of surveillance technology to monitor employee performance in the private sector? How can companies balance employee privacy with performance tracking? (Answer in 150 words) 10

SC ने पुट्टास्वामी वाद में निजता के अधिकार को अनु. 21 के तहत जीवन के अधिकार की वृहद अवधारणा में शामिल किया है। वहीं लगातार बढ़ता सर्विलांस इस संबंध में कई नैतिक चुनौतियाँ उत्पन्न करता है।

निजी क्षेत्रक में कर्मचारियों के प्रदर्शन पर नजर रखने के लिए सर्विलांस टेक्नॉलॉजी के उपयोग से संबंधित नैतिक चिंताएँ

(1) निजता के अधिकार के विरुद्ध
(2) कर्मचारियों पर अतिरिक्त दबाव
(3) मानसिक अवसाद का बढ़ना
eg- मारग्रेन व कार्पोरेट कल्चर में आत्महत्या के बढ़ते केस
(4) अतिरिक्त दबाव से व्यक्ति में स्वतंत्र

सर्विलांस टेक्नॉलॉजी
- प्रदर्शन पर नजर रखना
- निजता को चुनौती

दोनों में संतुलन की आवश्यकता → समय व क्षेत्र सीमित करना
↓
बेहतर परिणाम
→ कार्यक्षमता में वृद्धि
+
→ निजता की सुरक्षा

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

चिंतन का विकास नहीं हो पाता

(5) बेहतर प्रदर्शन के दबाव के कारण आंतरिक समरसता का विकास नहीं हो पाता

आंतरिक समरसता

---

कंपनियाँ: प्रदर्शन की निगरानी के साथ कर्मचारियों की निजता को संतुलित करना

---

→ प्रदर्शन की निगरानी के लिए अन्य उपायों को सबसे पहले प्राथमिकता दी जानी चाहिए जैसे

- वार्षिक प्रदर्शन रिपोर्ट की व्यवस्था
- 360° मूल्यांकन (समकक्ष, उच्च व निम्न स्तरीय कर्मचारियों द्वारा)
- समयबद्ध टारगेट देना
- पुरस्कार व दण्ड की नीति → प्रदर्शन में सुधार

→ आखिरी उपाय के रूप में सर्विलांस टेक्नोलॉजी का प्रयोग किंतु ध्यान रखना होगा → समय व क्षेत्र सीमित हो
→ व्यक्ति की निजता का उल्लंघन न हो।

बेहतर संतुलन से जहाँ कर्मचारियों की क्षमता में वृद्धि होगी वहीं कंपनी भी अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में सक्षम होगी।

**3.** निम्नलिखित उद्धरण वर्तमान संदर्भ में आपको क्या संदेश देते हैं?

What does the following quotation convey to you in the present context.

**(a)** "सापेक्षता भौतिकी पर लागू होती है, नैतिकता पर नहीं" - अल्बर्ट आइंस्टीन (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

"Relativity applies to physics, not ethics" - Albert Einstein (Answer in 150 words) 10

उपरोक्त कथन नैतिकता व सापेक्षता के मध्य के अन्तर्संबंध के प्रति अल्बर्ट आइंस्टीन के विचारों को दर्शाता है जिन्होंने अपने सापेक्षता के सिद्धांत से भौतिकी में नई क्रांति ला दी थी।

सापेक्षता, नैतिकता पर लागू क्यों नहीं होती

1) समाज में सभी के व्यवहार हेतु समान मूल्यों का विकास नहीं हो पाएगा।

eg- ऐसा वर्तमान में आतंकवाद की परिभाषा में देखा जाता है इसे अच्छे व बुरे आतंकवाद में बांट देना ही इसे वैश्विक रूप से समाप्त न कर पाने का बड़ा कारण है

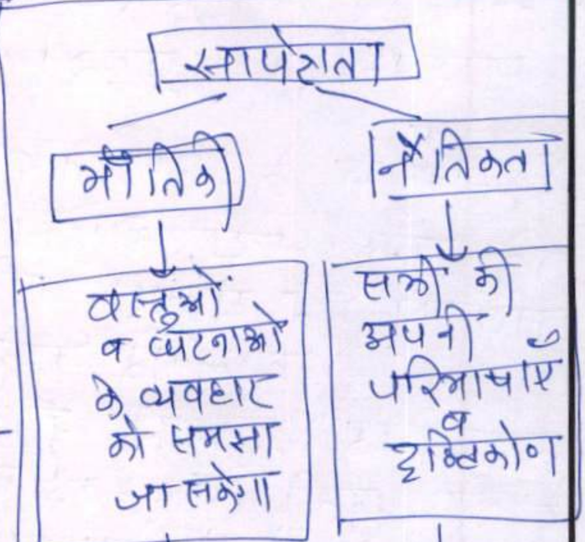


2) सभी की विचारधारा व दृष्टिकोण

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

समान नही होता
 ex- राजा राम मोहन राय - सती प्रथा का विरोध
 राधाकांत देव - सती प्रथा का समर्थन
दोनों के पक्ष मे ही विशाल जन आबादी थी
किंतु समाज के समानता व प्रेम, अहिंसा
के स्वीकार्य मूल्य के कारण ही इसे समाप्त
 किया जा सका।
3) अरस्तू के अनुसार, नैतिकता परसेप्शन
 (perception) पर आधारित नही होती।
4) समाज की बुराइयों से लड़ने में
 सांगठनिक प्रदर्शन का अभाव होगा।
5) मानव समाज के अस्तित्व के लिए आवश्यक है
 कि प्रेम, सत्य, अहिंसा, कर्तव्य जैसे
सार्वभौमिक मूल्यों पर बल दिया जाए।
 हालांकि कुछ स्थानीय व
सामयिक दृष्टि से नैतिकता में सापेक्षिकता
देखी जाती है ex- कई जगहों पर समलैंगिकता
को अभी भी अनैतिक रूप मे देखा जाता है
वही कई जगह इन्हें समानता के आधार
 पर वृहद अधिकार दिए है।
 अतः सापेक्षता सार्वभौमिक
मूल्यों में नहीं होनी चाहिए क्योंकि इससे
वसुधैव कुटुम्बकम की अवधारणा का विकास
होता है वहीं समय के अनुरूप नए मूल्यों
को अवधारणा करने से मानव समाज
का मानवीयता की ओर विकास सुनिश्चित
 किया जा सकता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. (b) "कानून जनता की अंतरात्मा है" - थॉमस हॉब्स (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

"The law is the public conscience"- Thomas Hobbes (Answer in 150 words) 10

थॉमस हॉब्स के इस कथन के अनुसार, कानून, उस समाज की प्रवृत्तियों व स्वीकार्य व अस्वीकार्य तत्वों को प्रतिबिम्बित करने का माध्यम होता है। जैसा कि व्यक्तियों में अंतरात्मा के माध्यम से सुनिश्चित होता है।

उदा. के लिए व्यक्ति की अंतरात्मा उसे सत्यनिष्ठा पर चलते हुए रिश्वतखोरी व इसके नकारात्मक परिणामों के कारण इसके प्रति नकारात्मक अभिवृत्ति का विकास करती है।

वहीं समाज की अंतरात्मा भी बेहतर संचालन व सत्यनिष्ठा के कारण रिश्वतखोरी को समाज के नकारात्मक मूल्य के रूप में विकसित करती है फलतः भ्रष्टाचार विरोधी कानून, लोकपाल व लोकायुक्त कानून, धन शोधन संबंधी कानून, RTI कानून आदि इसके मूल्यों की रक्षा हेतु बनाए गये है।

कानून जनता की अंतरात्मा है

(i) समाज के मूल्यों के आधार पर कानून का निर्माण उदा.--

2356
VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

eg- पर्यावरण संरक्षण अधि. 1986

(2) कानून का निर्माण करने वाली विधायिका, समाज का ही अंग होती है व उसके मूल्यों को प्रदर्शित करती है।

(3) कानून, समाज के मूल्यों का संरक्षण करते हैं व पीढ़ी दर पीढ़ी उसे प्रसारित करते हैं
eg- सती प्रथा प्रतिबंध कानून 1928

(4) कानून, अनैतिक व्यवहार को रोकने का कार्य करते हैं
eg- दहेज निवारण कानून
- कन्या भ्रूण हत्या संबंधी कानून

(5) कानून, जनता में सार्वभौमिक मूल्यों का प्रसार
eg- धर्म की स्वतंत्रता (प्रेम व सहिष्णुता का विकास)

(6) कानून- सम्पूर्ण समाज के आचरण के मूल्यों को दर्शाते हैं व उसके अनुरूप व्यवहार करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। हालांकि सभी कानून जनता की अंतरात्मा को नहीं दर्शाते eg- LGBTQ से संबंधित कानून, समलैंगिकता के प्रति उभरते सकारात्मक विचार वहीं औपनिवेशिक कानूनों की उपस्थिति इसमें असंतुलन को दर्शाती है। आवश्यकता है कि कानून, जनता की अंतरात्मा के अनुरूप उसे बदलते परिदृश्य व मूल्यों के आधार पर को मार्गप्रदर्शन करें जिससे नैतिक समाज का निर्माण हो सके।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. (a) 'यूनिकॉर्न' बनने की चाहत ने कई स्टार्ट-अप्स को अच्छी व्यावसायिक पद्धतियों को त्यागने के लिए प्रेरित किया है। इस संदर्भ में, भारत में स्टार्ट-अप्स में कॉर्पोरेट गवर्नेंस से संबंधी मुद्दों की पहचान कीजिए। इन मुद्दों से निपटने के लिए क्या उपाय किए जा सकते हैं? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

The desire to become a 'unicorn' has led to many start-ups abandoning good business practices. In this context, identify the corporate governance issues in start-ups in India. What measures can be taken to address them? (Answer in 150 words) 10

हुरून संस्थान द्वारा जारी ग्लोबल स्टार्टअप्स रैंकिंग मे भारत, विश्व में यूनिकॉर्न के संदर्भ में तीसरा बड़ा देश है यूनिकॉर्न की बढ़ती संख्या ने जहाँ भारत ने कार्पोरेट क्षेत्र मे क्रांति ला दी है वही कार्पोरेट गवर्नेंस के संदर्भ मे कई मुद्दो को भी उभारा है।

यूनिकॉर्न बनने की चाहत : भारत में स्टार्ट अप्स में कार्पोरेट गवर्नेंस संबंधी मुद्दे

(1) पारदर्शिता का अभाव
↳ ए- कंपनी द्वारा किस आधार पर फ्रीलांसर को रेटिंग दी जाती है इसके संबंध मे उपयुक्त मानकों व उनके हितधारकों मे अपारदर्शिता

(2) विकास vs. पर्यावरण
↳ पर्यावरण के संदर्भ मे

2356
VISION IAS™

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

असंधारणीय प्रक्रियाओं को अपनाना
- eg- ठोस अपशिष्ट प्रबंधन का अभाव

3) कंपनी हित vs. सार्वजनिक हित
- सामान्यत: कंपनी हित को बढ़ावा देना
- eg- कॉस्मेटिक कंपनियाँ समाज के कई वर्गों में आत्मविश्वास में कमी लाती हैं।

4) समाज के प्रति जवाबदेहिता का अभाव
- eg- ग्रीनवाशिंग

5) सत्यनिष्ठा का मुद्दा
- eg. ऑडिटिंग में अपारदर्शिता

**निपटने के उपाय**
- → कार्पोरेट गवर्नेंस संबंधी कानूनों का बेहतर क्रियान्वयन
  - eg- ऑडिटिंग में स्वतंत्र व थर्ड पार्टी आदि।
- → उपयोगितावाद
- → समाज के हित को प्राथमिकता
- → सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR)
- → पर्यावरणीय नैतिकता
- → संवैधानिक नैतिकता
- → निर्णय निर्माण प्रक्रिया में सभी हितधारकों को शामिल करना।

इनके माध्यम से विकसित भारत @ 2047 व 5 ट्रिलियन अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकेगा।

2356

# VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

**4.** **(b)** भारत में कॉर्पोरेट गवर्नेंस के संदर्भ में, 'प्रत्ययी कर्तव्य'(Fiduciary Duty) से आप क्या समझते हैं? उपयुक्त उदाहरणों के साथ स्पष्ट कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

What do you understand by 'fiduciary duty' in the context of corporate governance in India? Illustrate with suitable examples. (Answer in 150 words) 10

कार्पोरेट गवर्नेंस का संदर्भ उन नियमों व प्रक्रियाओं से लिया जाता है जिनके आधार पर कार्पोरेट की शासन व्यवस्था को संचालित किया जाता है।

कार्पोरेट गवर्नेंस में सभी हितधारकों के कर्तव्यों पर बल दिया जाता है जिससे संचालन सुचारु रूप से चल सके व इसका समाज पर सकारात्मक प्रभाव पड़े।

किंतु जब कार्पोरेट में अपने कर्तव्यों को वास्तविक रूप से करने के स्थान पर मात्र उनको प्रत्ययी रूप में दर्शाया जाता है तो उसे प्रत्ययी कर्तव्य कहते हैं।

१- पर्यावरण संरक्षण कार्पोरेट का कर्तव्य है किंतु ग्रीनवाशिंग के तहत गलत तरीके से पर्यावरणीय मानकों का उल्लंघन किया जाना। २- प्रदूषण मानकों का पालन न करना।

~~यह प्रत्ययी कर्तव्य को~~

प्रत्ययी कर्तव्य के तहत अन्य रूप भी देखे जा सकते हैं जैसे –

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

- CSR के तहत शिक्षा, स्वास्थ्य आदि पर व्यय किया जाता है किंतु इसके परिणाम के रूप में समाज के निम्न वर्ग को वास्तविक लाभ हुआ है या नहीं, यह निर्धारित न करना।

→ वृक्षारोपण के तहत वृक्ष का रोपण कर देना किंतु उसका बाद में लगातार परिणाम सुनिश्चित न करना।

- इसी तरह कार्पोरेट द्वारा सत्यनिष्ठा के अभाव में अन्य प्रक्रियाओं को किया जाना जैसे
  - अल्पसंख्यक शेयरधारकों को निर्णय निर्माण की प्रक्रिया में शामिल न करना
  - हित संघर्ष (eg- चंदा कोचर मामला)
  - कानूनों के लूपहोल्स का फायदा उठाना
    eg- कर वंचन (tax avoidance)
  - वृहद समाज हित पर बल न देना
    eg- सरोगेट एडवरटाइजिंग

अतः कांट के कर्तव्यशास्त्री सिद्धांत के अनुरूप नैतिक रूप में कर्तव्यों के पालन पर बल देना चाहिए। इसी तरह महात्मा गाँधी जी ने भी कहा है कि साध्य व साधन की पवित्रता ही पवित्र लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित कर सकती है

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. (a) क्या युद्ध नैतिक हो सकते हैं? अंतर्राष्ट्रीय संघर्षों के संदर्भ में विश्लेषण कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Can war be ethical? Analyse in the context of international conflicts. (Answer in 150 words) 10

हाल ही मे रूस-यूक्रेन युद्ध, इजराइल फिलीस्तीन संघर्ष आदि अंतर्राष्ट्रीय संदर्भों ने युद्ध की नैतिकता व अनैतिकता को फिर से संदर्भ मे ला दिया है।

युद्ध का अनैतिक होना

(1) हिंसा
↳ वृहद स्तर पर जन धन की हानि
(2) प्रेम, करूणा जैसे मूल्यों के विरूद्ध
(3) असहिष्णुता का विकास
(4) समाज में असमानता को बढ़ाता है
(5) मानवता का विरोधी

क्या युद्ध नैतिक हो सकते हैं?

कई अंतर्राष्ट्रीय आलोचकों व विचारकों का मानना है कि युद्ध नैतिक हो सकते है यदि निम्न स्थिति मे किए जाए -

(1) राष्ट्र की सम्प्रभुता की रक्षा
↳ राष्ट्रहित, अंतर्राष्ट्रीय राजनीति मे सर्वोपरि होते है अतः इनकी रक्षा हेतु युद्ध पूर्णतः अनैतिक नहीं होते है - भारत द्वारा भारत-

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

चीन युद्ध मे भागीदारिता अपनी सेप्रभुता की रक्षा हेतु की गई थी।
→ रूस द्वारा यूक्रेन पर आक्रमण हेतु इसे कारण बताया है

(2) मानवीय अधिकारों की रक्षा
↳ इसके लिए UN द्वारा विभिन्न देशों मे शांति स्थापित करने के लिए शांति बल भेजा जाता है।

(3) आंतरिक सुरक्षा
↳ - 1971 में लाखो शरणार्थियो के कारण उत्पन्न आंतरिक सुरक्षा संबंधी चुनौती के कारण भारत को युद्ध मे शामिल होना पड़ा।

किंतु यदि वृहद स्तर पर देखा जाए तो युद्ध, अंतर्राष्ट्रीय सेप्रभुता व नागरिकों के हित हेतु अंतिम विकल्प के रूप में चुना जाना चाहिए। जब क्योंकि इसका परिणाम सम्पूर्ण विश्व पर नकारात्मक ही होता है। इसे सम्पूर्ण मानवता की दृष्टि से अनैतिक ही कहा जाएगा।

दिनकर जी ने लिखा है –
'रुग्ण होना चाहता कोई नहीं रोग लेकिन जब आ गया पास हो तिक्त औषधि के सिवा उपचार क्या, शमन नही होगा वह मधुर औषधि से'

(अर्थात युद्ध, अंतिम विकल्प ही होना चाहिए औषधि के रूप में, न कि नियमित भोजन की तरह)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. (b) कौटिल्य का 'अर्थशास्त्र' वर्तमान नेतृत्वकर्ताओं को नैतिक और प्रभावी शासन को अपनाने में कैसे मार्गदर्शित कर सकता है? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

How can Kautilya's 'Arthashastra' guide today's leaders in attaining ethical and effective governance? (Answer in 150 words) 10

कौटिल्य का अर्थशास्त्र, राजनीति शास्त्र व प्रभावी शासन के सिद्धांतों की दृष्टि से अभी भी प्रासंगिकता को व्याख्या करती है।

अर्थशास्त्र: वर्तमान नेतृत्वकर्ताओं का नैतिक व प्रभावी शासन में मार्गदर्शन

1) प्रशासन की शुचिता (Probity) पर बल
↳ अधिकारियों की नियुक्ति वृहद चरित्र परीक्षण के बाद की जाती थी।

वर्तमान में चयन प्रक्रिया में निम्न सुधार किए जा सकते हैं -

स्थायी कार्यपालिका - चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता (पूजा खेडकर मामला)
↳ चरित्र परीक्षण - इंटरव्यू प्रक्रिया में अन्य उपाय जैसे - 1 इंटरव्यू के बजाय 2 या 3 के औसत अंकों के आधार पर

अस्थायी कार्यपालिका
↳ राजनीतिक पार्टियों में अपराधीकरण के चयन को रोकना
↳ कार्यपद्धति में पारदर्शिता
↳ RTI के दायरे में लाना

2) आंतरिक सुरक्षा के दोनों पहलुओं जैसे बाह्य व आंतरिक दोनों को महत्व दिया जाना →

2356
VISION IAS™

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

↳ भारत की गुप्तचर संस्थानों को मजबूत किया जाना
↳ आधुनिक तकनीकों का प्रयोग

3) प्रशासन - शासन मे पारदर्शिता, जबावदेहिता को सुनिश्चित करना।
↳ ऑडिटिंग को बढ़ावा
↳ सत्यनिष्ठा पर बल

4) राजा को प्रजा के हित पर बल देना चाहिए न कि अपने स्वार्थ की पूर्ति।
↳ लोकतंत्र को मजबूत किया जाए (RTI, नागरिक चार्टर)
↳ संसदीय विपथगमन की प्रवृत्ति रोकना
↳ अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा।

5) पड़ोसी राष्ट्रों से मित्रतापूर्ण संबंधों को बनाए रखना
↳ आंतरिक शांति स्थापित की जा सकेगी
↳ वर्तमान में नकली मुद्रा, कश्मीर गोल्डन ट्रायंगल, नक्सलवाद जैसी समस्याओं को कमजोर

↓

बेहतर प्रशासन

वर्तमान समय के अनुरूप लोकतांत्रिक मूल्यों के आधार पर 'अर्थशास्त्र' वर्तमान नेतृत्वकर्ताओं के लिए बेहतर मार्गदर्शन का कार्य करता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. (a) 'सामाजिक सामंजस्य' (Social Cohesion) पद की व्याख्या कीजिए। सुशासन हेतु इसके महत्त्व पर चर्चा कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Explain the term 'social cohesion'. Discuss its importance for good governance. (Answer in 150 words) 10

सामाजिक सामंजस्य का अर्थ है समाज में परस्पर बंधुत्व व लगाव के साथ सहिष्णुता का होना जिससे सामाजिक व्यवस्था का नियमित व सुचारु रूप से संचालन जारी रहे।

व. भारत में लगभग सभी धर्मों की उपस्थिति देखी जाती है फिर भी सभी के मध्य शांतिपूर्ण सहअस्तित्व होना सामाजिक सामंजस्य का वृहद उदाहरण है।

सामाजिक सामंजस्य समाज को एकजुट करने व किसी भी समस्या से निपटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

**सुशासन हेतु सामाजिक सामंजस्य का महत्व**

(1) जवाबदेहिता सुनिश्चित करना
↓
सामाजिक सामंजस्य

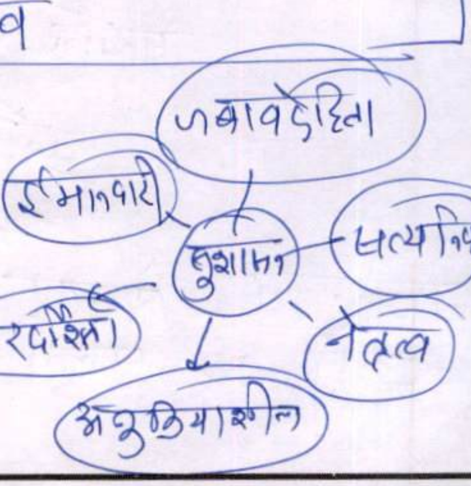

2356
VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

एकजुट होकर प्रशासन-शासन की जवाबदेहिता सुनिश्चित करता है

ex- लोकपाल व लोकायुक्त की नियुक्ति संबंधी कानून विशाल जनांदोलन का परिणाम।

(2) नीतियों का बेहतर क्रियान्वयन

ex- अल्पसंख्यकों के हितों की रक्षा

(3) संसाधनों का अनुकूलतम दोहन

(4) प्रशासन में संवेदनशील वर्गों जैसे महिला, बच्चों, दलितों, वृद्ध, LGBTQ, विधवा, मैनुअल स्केवन्जर्स आदि के प्रति बेहतर क्रियान्वयन व संवेदनशीलता का विकास

(5) शिकायत निवारण तंत्र को महत्ता देना

(6)

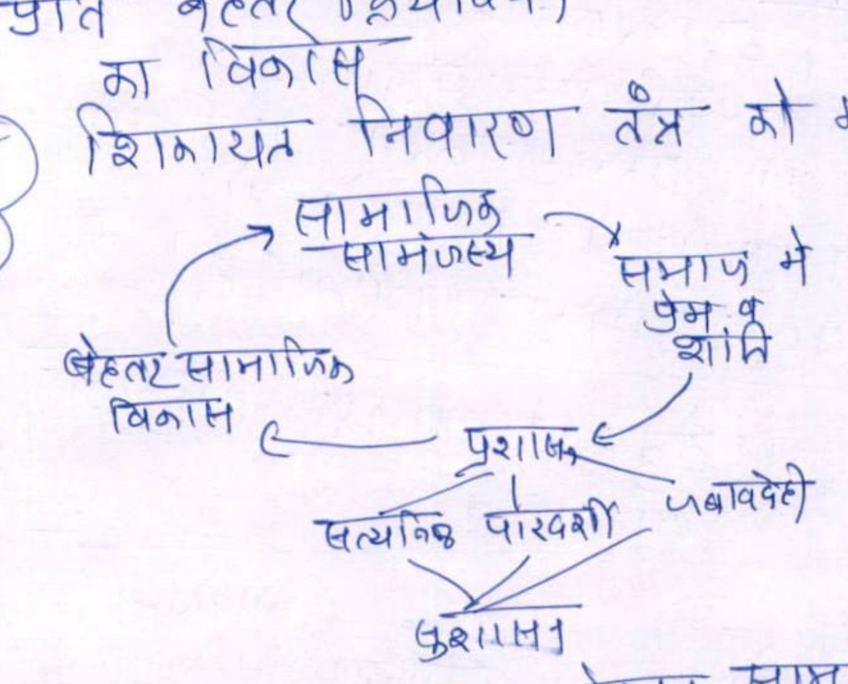


अतः बेहतर सामाजिक सामंजस्य, बेहतर प्रशासन की नींव खड़ी कर सकता है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. (b) कबीर की शिक्षाओं में निहित गहन ज्ञान व्यक्तियों को आधुनिक संसार की चुनौतियों से निपटने हेतु एक नैतिक मार्गदर्शन प्रदान करता है। विवेचना कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

The profound wisdom in the teachings of Kabir provide a moral compass for individuals to navigate the challenges of the modern world. Discuss. (Answer in 150 words) 10

15वी शताब्दी से संबंधित संत कबीर अपनी दूरदर्शिता के कारण आज भी आधुनिक संसार की चुनौतियों से निपटने हेतु अपनी शिक्षाओं से मानव का पथ प्रदर्शन कर रहे है।

कबीर की शिक्षाओं द्वारा आधुनिक संसार की चुनौतियों से निपटने हेतु नैतिक मार्गदर्शन प्रदान करना

→ अंधविश्वास पर गहरी चोट I (मूर्तिपूजा का खंडन)

कबीर → ~~मन~~ पाहन पूजे हरि मिलें
तो मैं पूजू पहार
ताते तो चाकी भली
पीसी खाए संसार

वर्तमान मे भी धर्माधारित अंधविश्वासो के कारण शोषण को बढावा मिलता है
eg- डायन प्रथा, वैक्सीन न लगवाना आदि।

→ सांप्रदायिकता पर चोट करते हुए कबीर ढाई आखर प्रेम का पढ़े सो पंडित होई पर बल देते है
वर्तमान - मुजफ्फरपुर दंगे, दिल्ली दंगे आदि

– गुरु की महत्ता देते हुए कबीर 'बलिहारी गुरु आपनों गोविंद दियो बताए' कहकर

गुरु-गोविंद दोनों में से गुरु को चुनते हैं जो वर्तमान में शिक्षा के क्षेत्र में बढ़ते वाणिज्यवाद व पूँजीवाद के लिए प्रासंगिक है।

→ जातिप्रथा पर चोट
( जाति पाति पूछे न कोई
हरि को भजे सो हरि को होई )
( NCRB की 2022 की रिपोर्ट - 2021 की तुलना में SC पर 2022 में जातीय हिंसाओं में ~13% की वृद्धि )

→ मानवीय प्रेम पर बल
( अरे इन दोउन राह न पाई
हिन्दुन की हिन्दुआई देखी
तुरकन की तुरकाई )
वर्तमान में- आतंकवाद की समस्या है

→ अहिंसा पर बल
बकरी पाति खात है ताकि काढ़ी खाल
जो नर बकरी खात है ताको कौन हवाल

पर्यावरणीय नैतिकता की दृष्टि व मानवीयता के दृष्टि से प्रासंगिक।

इस प्रकार कबीर के दोहे, साखी सबद व रमैनी आदि की आधुनिक युग में अपनी प्रासंगिकता के कारण ही घर-घर में पीढ़ी दर पीढ़ी गाए जाते हैं।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. (c) सूचना तक पहुंच सुशासन का आधार है। इस संदर्भ में, चर्चा कीजिए कि सूचना का अधिकार अधिनियम का उद्देश्य किस प्रकार भारत में नैतिक शासन को मजबूत करना है। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Access to information is the bedrock of good governance. In this regard, discuss how the Right to Information Act aims to strengthen ethical governance in India. (Answer in 150 words) 10

सूचना का अधि. 2005 के माध्यम से नागरिकों को सूचना का अधिकार दिया गया। यह अधिनियम सुशासन को स्थापित करने की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है इसने निम्न तरीके से भारत में नैतिक शासन को मजबूती प्रदान की है -

सूचना का अधिकार अधिनियम का उद्देश्य: भारत मे नैतिक शासन मजबूत करना

① पारदर्शिता

↳ सरकारी अर्द्धसरकारी या ऐसी संस्था जिसमें सरकार एक पक्ष हो के संबंध में जानकारी एकत्रित की जा सकती है। eg- योजनाओं के क्रियांवयन मे देरी का कारण, बजट का आवंटन आदि

② जवाबदेहिता

↳ इससे लोकतंत्र को मजबूती प्राप्त होती है। अधिकारियों की समाज के प्रति जवाबदेहिता सुनिश्चित होने के कारण

ध- 2G घोटाला

(3) भत्यनिष्ठा

↳ सरकारी तंत्र में आई अनियमितताओं को बाहर लाया जा सकता है।

ध- टेण्डर देने के मानक, योग्यता, चयन प्रक्रिया आदि।

(4) संवदेनशील वर्गों के प्रति संवदेनशीलता

↳ सूचना प्राप्ति की फीस कम रखी गई है।

(5) समयबद्धता व अनुशासन

↳ PIO हेतु 30 दिन, उप PIO हेतु 35 दिन, जीवन को निर्धारित

समय बद्ध सूचना प्राप्त न होने पर क्षतिपूर्ति का प्रावधान

(6) नागरिकों मे आत्मविश्वास व जागरूकता का विकास

(7) वर्तमान मे सूचना ही नया सोना है (Information is new gold) अतः बेहतर सूचना से बेहतर प्रदर्शन को सुनिश्चित किया जा सकता है।

RTI ने भारतीय लोकतंत्र को मजबूत करने की दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है आवश्यकता है इसे और अधिक नागरिक केंद्रित बनाने व कमजोर वर्गों को इसके प्रति जागरूक करने की।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

**खंड B / SECTION B**

**निम्नलिखित प्रश्नों में, प्रस्तुत प्रकरणों का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए और उनके उपरांत वाले प्रश्नों का उत्तर दीजिए (लगभग 250 शब्दों में)**

**In the following questions, carefully study the cases presented and then answer the questions that follow (in around 250 words):**

7. आप हाल ही में लोक निर्माण विभाग (PWD) में एक वरिष्ठ अधिकारी के रूप में नियुक्त हुए हैं। आपको एक ऐसी निर्माणाधीन अस्पताल परियोजना का प्रभारी बनाया गया है, जिसे आपके कार्यभार संभालने से पहले ही मंजूरी मिल गई थी। निरीक्षण करने पर, आपको पता चलता है कि निर्माण घटिया गुणवत्ता का है और यदि इसे वर्तमान स्थिति में ही पूर्ण किया जाता है, तो यह इमारत ढह सकती है, जिससे जीवन और सार्वजनिक धन की क्षति होगी।

इस मुद्दे को अपने वरिष्ठ अधिकारियों के संज्ञान में लाने पर, आपको चारों ओर से अत्यधिक दबाव का सामना करना पड़ता है। आपको बताया जाता है कि यह परियोजना न केवल जिले और आस-पास के क्षेत्रों के लोगों को तृतीयक स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं प्रदान करने के लिए अत्यावश्यक है, बल्कि सत्तारूढ़ दल द्वारा किया गया एक चुनावी वादा भी है। इसके अलावा, चुनाव नजदीक हैं और आप पर परियोजना को जल्द से जल्द पूरा करने का भी भारी दबाव है। हालांकि, आप यह पाते हैं कि संरचनात्मक समस्याओं को दूर करना ही एकमात्र व्यवहार्य विकल्प है लेकिन इससे परियोजना के पूर्ण होने में काफी देरी होगी।

(a) दी गई स्थिति में आपके द्वारा सामना किए जाने वाले नैतिक मुद्दों की पहचान कीजिए।

(b) आपके लिए उपलब्ध विकल्पों का मूल्यांकन कीजिए।

(c) PWD अधिकारी के रूप में आप क्या कार्रवाई करेंगे और क्यों? (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

As a recently appointed senior officer in the Public Works Department (PWD), you are in charge of an under-construction hospital project that received clearance prior to your tenure. On inspection, you find out that the construction is of substandard quality and if completed in the present state, the building may collapse leading to loss of life and public money.

On bringing the issue to the notice of your seniors, you begin to face intense pressure from multiple quarters. You have been conveyed that the project is not only crucial for providing tertiary health services to the people of the district and adjoining areas, but is also a poll promise of the ruling party. Further, elections are around the corner and there is intense pressure on you to complete the project at the earliest. However, you realise that rectifying the structural issues is the only viable option but this will significantly delay the completion of the project.

**(a)** Identify the ethical issues faced by you in the given situation.

**(b)** Evaluate the options available to you.

**(c)** What course of action would you adopt as the PWD officer and why? (Answer in 250 words) 20

उपर्युक्त केस अध्ययन सार्वजनिक परियोजना मे भ्रष्टाचार (निर्माण घटिया गुणवत्ता का), वरिष्ठ अधिकारियो का आदेश, चुनावी वादा, संरचनात्मक समस्याओ सहित PWD के वरिष्ठ अधिकारी के रूप मे अंतरात्मा के संकट व नैतिकता व कर्तव्यपालन को शामिल किए हुए है।

**हितधारक**

- मैं- PWD मे वरिष्ठ अधिकारी
- वरिष्ठ अधिकारी — मंजूरी हेतु दबाव बनाना
- जिला व उसके लोग → स्वास्थ्य सुविधाएँ
- सत्तारूढ़ दल — चुनावी वादा
- समाज वृहद स्तर पर

(a) सामना किए जाने वाले नैतिक मुद्दे —

1) नागरिको का हित vs. वरिष्ठ अधिकारियो का आदेश
2) निर्माण घटिया गुणवत्ता → भ्रष्टाचार, सत्यनिष्ठा की कमी
3) जीवन की सुरक्षा का अधिकार (अनु21)

4) सार्वजनिक धन की क्षति (बढ़ लागत)
5) लोगों को स्वास्थ्य सेवा प्रदान करना राज्य का कर्तव्य है (अनु॰47)
6) चुनावी वादों से संबंधित नैतिकता
8) कर्तव्यपालन vs. आदेशपालन
9) संवैधानिक नैतिकता

(5) उपलब्ध विकल्पों का मूल्यांकन

परियोजना को जारी रहने देना

| पक्ष | विपक्ष |
| --- | --- |
| - वरिष्ठ अधिकारियों का आदेश पालन<br>→ सत्तारूढ़ दल के चुनावी वादे का पूरा होना | - जीवन व सार्वजनिक धन की क्षति की संभावना।<br>→ कर्तव्यों के अनुरूप नहीं है<br>→ उपयोगितावाद के सिद्धांत के विरुद्ध<br>→ सार्वजनिक अधिकारी के लिए सार्वजनिक हित महत्वपूर्ण होने चाहिए<br>→ बाद में इमारत के ढहने से कार्यवाही मेरे विरुद्ध ही होगी |

2356

# VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2) परियोजना पर रोक लगा देना

| पक्ष | विपक्ष |
| --- | --- |
| - सार्वजनिक हितों की रक्षा<br>- भविष्य की कार्यवाही से बचा जा सकेगा।<br>→ कई जीवन को बचाया जा सकता है<br>- बेहतर उदाहरण के रूप में प्रस्तुत करता है। | - सत्ता दल को नुकसान हो सकता है<br>→ परियोजना के पूर्ण होने में काफी समय लग सकता है |

③ सत्तारूढ़ दल को धारणा (persuasion) से समझाना, इसके नकारात्मक प्रभावों को दीर्घकालिक नुकसान बताना, वरिष्ठ अधिकारियों से संवाद कर परियोजना को रोक देना

| पक्ष | विपक्ष |
| --- | --- |
| - परियोजना को आपसी सहमति से रोका जा सकेगा।<br>- सार्वजनिक धन व जीवन को बचाना<br>- कर्तव्यों का पालन<br>- बेहतर छवि का निर्माण | - समयसाध्य प्रक्रिया<br>- अंत में सहमति न बने यह संभव है। |

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(c) PWD अधिकारी के रूप में कार्यवाही व उसके कारण -

1) पूरी योजना की विस्तृत जाँच कर वृहद रिपोर्ट तैयार करना, पर्याप्त साक्ष्य एकत्र कर, अस्थायी रूप से निर्माण कार्य पर रोक लगा देना
↳ ताकि निर्माण मे होने वाली सार्वजनिक धन की क्षति को रोका जा सके।
↳ पर्याप्त सबूत भविष्य की कार्यवाही मे मेरे बचाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेंगे

2) सत्तारूढ दल के प्रतिनिधि से संवाद करना। उन्हे धारणा का प्रयोग करते हुए बताना कि यदि वे इस परियोजना को अनुमति देते है तो अंत मे इसके गिरने से उनके ही दल को सर्वाधिक नुकसान होगा इससे उनके वोट बैंक भी प्रभावित हो सकता है
↳ राजनीतिक दबाव को कम किया जा सकेगा।

3) वरिष्ठ अधिकारियों से संवाद कर इसमें निहित संवैधानिक नैतिकता के मूल्यों से समझौता को स्पष्ट करना। ~~यदि तब भी वे~~
↳ वे अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूक होंगे।

4) यदि तब भी सहमति न बने तो भी परियोजना को बंद कर देना। अपनी कार्यवाही को लिखित रूप मे उच्च स्तर तक पहुंचाना क्योंकि किसी भी स्थिति मे नागरिकों की जान को खतरे मे डाला नहीं जा सकता ये उनके जीवन के अधिकार के विरुद्ध है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

**8.** आप एक प्रोफेशनल डिग्री के स्नातक कोर्स में नामांकित अंतिम वर्ष के छात्र हैं। अंतिम सेमेस्टर पाठ्यक्रम के अनिवार्य भाग के रूप में, आपको एक अत्यंत कठिन कोर्स में नामांकित होना था। दुर्भाग्य से, पाठ्यक्रम के मिड सेमेस्टर एग्जाम में आपका प्रदर्शन संतोषजनक नहीं था तथा इस कोर्स को उत्तीर्ण करने के लिए आपको फाइनल एग्जाम में बहुत अच्छे अंक प्राप्त करने की आवश्यकता है। इस कोर्स में असफल होने पर आपकी डिग्री को एक अतिरिक्त सेमेस्टर के बाद प्रदान किया जाएगा। इस कोर्स को उत्तीर्ण नहीं करने से आपको एक बहुराष्ट्रीय कंपनी से प्राप्त होने वाली नौकरी की पेशकश भी खतरे में पड़ जाएगी, क्योंकि नौकरी की यह पेशकश डिग्री के सफल समापन पर निर्भर है। यह नौकरी आपके और आपके परिवार के कल्याण, विशेष रूप से आपकी शिक्षा के लिए आपके पिता द्वारा किए गए उल्लेखनीय बलिदानों और आपके परिवार की वर्तमान चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों को देखते हुए अत्यावश्यक है।

इस स्थिति को ध्यान में रखते हुए, आपका एक घनिष्ठ मित्र आपको भरोसा दिलाता है कि वह आपको इस कोर्स को उत्तीर्ण करने में मदद कर सकता है। उसने बताया कि विश्वविद्यालय के पोर्टल पर कोर्स के दस्तावेज अपलोड करते समय व्याख्याता ने अनजाने में वह फाइल संलग्न कर दी जिसमें कोर्स के फाइनल एग्जाम के उत्तर शामिल थे। हालांकि व्याख्याता ने तुरंत अपनी त्रुटि सुधार ली और फाइल को वहां से हटा दिया, लेकिन आपके मित्र ने इसे सफलतापूर्वक डाउनलोड कर लिया। जब आपने उससे पकड़े जाने की संभावना के बारे में पूछा, तो उसने आपको आश्वासन दिया कि विश्वविद्यालय की डिजिटल अवसंरचना के कारण व्याख्याता यह जांचने में सक्षम नहीं है कि फाइल डाउनलोड की गई थी अथवा नहीं। हालांकि, विश्वविद्यालय के नैतिक दिशा-निर्देश उन छात्रों को परीक्षा में बैठने से सख्ती से रोकते हैं, जिनके पास उत्तरों का अनधिकृत ज्ञान है, साथ ही, इनके उल्लंघन के लिए गंभीर दंड का भी प्रावधान किया गया है।

**(a)** यह देखते हुए कि यदि आप उत्तरों को प्राप्त करते हैं और फाइनल एग्जाम में अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो कोर्स में नामांकित किसी भी अन्य छात्र को किसी भी तरह से नुकसान नहीं होगा, फिर भी आपको उत्तरों को प्राप्त करने से क्यों बचना चाहिए?

**(b)** आप जानते हैं कि आपके मित्र ने उत्तर देखे हैं, क्या आप उसकी रिपोर्ट व्याख्याता या विश्वविद्यालय के अधिकारियों को देंगे? अपने उत्तर का औचित्य सिद्ध कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

You are a final-year undergraduate student enrolled in a professional degree. As part of the mandatory final semester curriculum, you had to enroll in a notoriously difficult course. Unfortunately, your performance in the mid-semester examination of the course was not satisfactory, and you need to attain a very good score in the final examination to pass the course. Failure in this course would defer the conferment of your degree for an additional semester. Not passing this course would also jeopardize the job offer you have received from a multinational company, as it is contingent upon successful completion of the degree. This job is crucial for you and your family's well-being, especially considering the significant sacrifices your father has made to support your education, and the current challenging conditions at home.

Considering this situation, your close friend confides in you that he can help you pass the course. He reveals that the lecturer inadvertently attached the file that included the answers to the final examination of the course while uploading course documents on the University's portal. Although the lecturer promptly rectified his error and removed the file, your friend successfully managed to download it. When you asked him about the chance of getting caught, he assured you that the University's digital infrastructure does not provide the lecturer with the ability to check if the file was downloaded. However, the University's ethical

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

guidelines strictly prohibit students from sitting for exams if they possess unauthorized knowledge of the answers, with severe penalties for violations.

**(a)** Given that no other student enrolled in the course will be harmed in any way even if you access the answers and perform well in the final exam, why should you refrain from accessing the answers?

**(b)** You are aware that your friend has seen the answers, will you report him to the lecturer or the University authorities? Justify your answer. (Answer in 250 words) 20

उपर्युक्त केस अध्ययन व्यक्तिगत हित, सत्यनिष्ठा, समता का अधिकार, परीक्षा की शुचिता, ईमानदारी, संस्थान के नियम व दिशा निर्देशों का पालन, मित्रता जैसे मुद्दों पर आधारित है।

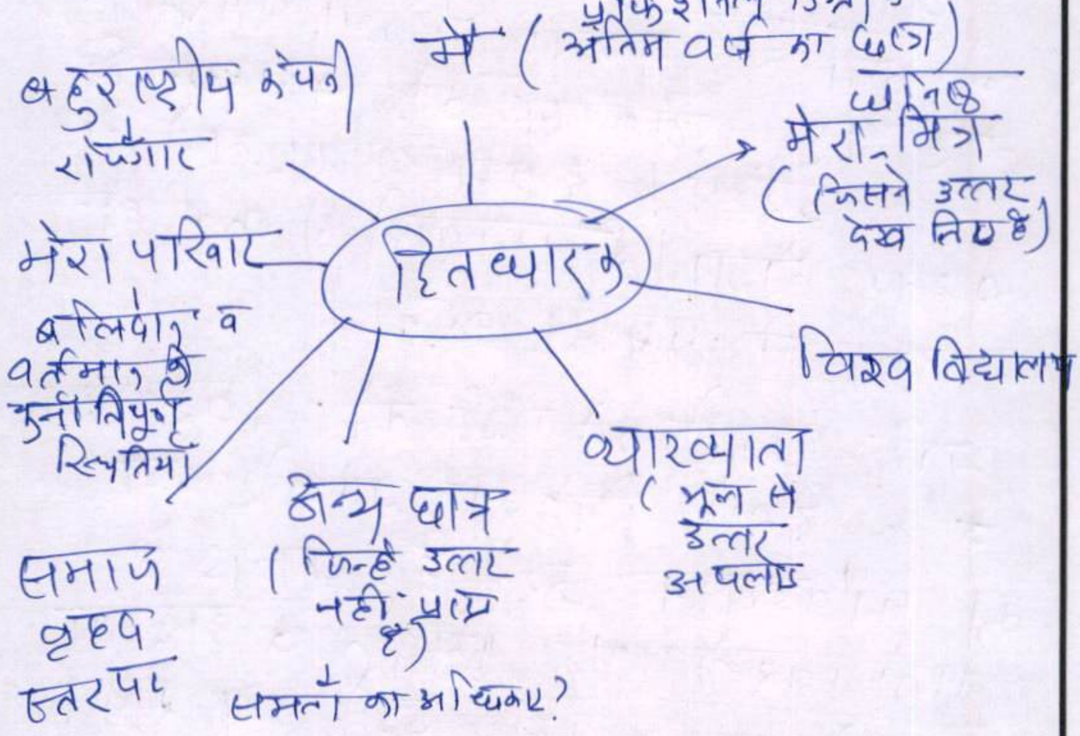


a) उत्तरों को प्राप्त करने से क्यों बचना चाहिए —

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

→ मेरी खुद की अंतरात्मा के विरुद्ध
यदि गलत तरीके से पास
हो भी गई तो अनैतिकता व
अंतरात्मा का संघर्ष अशांति
व मानसिक अवसाद का
बड़ा कारण बन जाएगा।
↓
यह मानसिक अवसाद मेरे
आत्मविश्वास व स्वाभिमान
को कम कर सकता है जो व्यक्तिगत
तौर पर विकास को बाधित ही
करेगा। ऐसे पास होने से
बेहतर होगा ईमानदारी से फेल होकर
फिर से प्रयास करना।
→ यदि पकड़ी भी गई तो विश्वविद्यालय
के दिशा निर्देश गंभीर दण्ड
का प्रावधान करते हैं। फ्रायड के
मनोविश्लेषण सिद्धांत के अनुरूप
ये मेरी इड के लिए इगो व सुपरईगो
का कार्य करेगा।
→ पारिवारिक मूल्यों के विरुद्ध
→ अन्य छात्रों के साथ गलत होगा
जिन्होंने उत्तर प्राप्त नहीं किए हैं

→ निष्पक्षता के सिद्धांत के विरुद्ध

→ पिता का बलिदान अनैतिक कार्यों के हेतु व्यर्थ नहीं जाना चाहिए।

→ मुझमे सुधार का अवसर ही नहि मिल पाएगा। असफलता, अपनी कमियों को ढूंढकर उन्हे सुधारने का मौका देगी जो वास्तविक उन्नति होगी।

(5) सबसे पहले अपने मित्र को भी समझाना चाहिए कि यह गलत है विधि के नियमो के विरुद्ध है। यदि पकड़े भी नहीं जाएंगे तो यह नैतिकता व अंतरात्मा के विरुद्ध है। पास हो भी गए तो भविष्य में मेहनत से फिर से बचने का प्रयास करोगे। जीवन भर नैतिकता के लिए समझौता करना पड़ेगा।

↓

ऐसी धारणा (persuasion) के माध्यम से मैं उससे आग्रह करूंगी वह व्याख्याता को पूरा मुद्दा समझा दें।

→ यदि वह पूरा मुद्दा समझा देता है तो उसके अनुरूप विधि दण्ड दे उसे स्वीकार करना। हालांकि

इसमे संस्थान द्वारा छात्र को सत्यनिष्ठा के लिए कठोर दण्ड नही दिया जाएगा।

→ चूंकि परीक्षा अभी नही हुई है अतः हो सकता है कि दण्ड न मिले।

→ अन्य छात्रो के साथ भी अन्याय नही होगा।

→ व्याख्याता समय रहते नया पेपर फिर से बना सकते है।

ऐसा करके व्यक्तिगत सत्यनिष्ठा को सुनिश्चित करते हुए अंतरात्मा के संघर्ष से बचा जा सकता है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

9. भूषण एक बड़ी बहुराष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी में एक अनुभवी सेल्स रिप्रेजेन्टेटिव है। उसने पिछले कई वर्षों से वहां काम किया है और कंपनी के भीतर उसने घनिष्ठ मित्रता पूर्ण संबंध बना लिए हैं। भूषण, मनोज का अच्छा मित्र रहा है क्योंकि उन दोनों ने लगभग एक साथ कंपनी जॉइन की थी।

पिछले कुछ महीनों में, मनोज ने भूषण के साथ व्यक्तिगत स्तर पर स्वयं द्वारा सामना की जा रही कुछ वित्तीय चुनौतियों को साझा किया। भूषण ने एक सहायक मित्र बनने का पूरा प्रयास किया। मनोज ने भूषण को यह भी बताया था कि वह अपने परिवार की सहायता के लिए कुछ अतिरिक्त धन जुटाने हेतु काम में कुछ जोखिम भरे कदम उठा रहा है। हालांकि, उसने कभी भी पूरी तरह से खुलासा नहीं किया कि इनमें क्या शामिल था।

एक दिन अचानक, मनोज ने कंपनी छोड़ दी, जिससे भूषण हैरान और सशंकित हो गया। भूषण को मनोज के सेल्स क्षेत्रों को संभालने का काम सौंपा गया। इन क्षेत्रों में कार्य प्रारंभ करने के दौरान, उसे पता चला कि मनोज के कार्यों के परिणामस्वरूप कंपनी को कितनी आर्थिक क्षति हुई थी। सेल्स संबंधी लेन-देन और लेखांकन रिकॉर्ड का सावधानीपूर्वक परीक्षण करने से, भूषण को यह स्पष्ट हो गया कि मनोज कुछ धोखाधड़ी वाली गतिविधियों में शामिल था।

अपनी पिछली बातचीत के बारे में पुनः विचार करने पर, भूषण को एहसास हुआ कि मनोज की जल्दी धन प्राप्ति की अत्यधिक आवश्यकता ने संभवतः उसे इस तरह के व्यवहार में शामिल होने के लिए प्रेरित किया था। भूषण को जिम्मेदारी का एहसास हुआ और उसने खुद से सवाल किया कि क्या वह स्थिति को रोक सकता था। भूषण कंपनी को वह सब कुछ बताना चाहता है जो वह जानता है लेकिन उसे चिंता है कि ऐसा करने से मनोज के लिए गंभीर परिणाम हो सकते हैं, जो पहले से ही काफी चुनौतियों से जूझ रहा था।

यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि मनोज के आचरण से कंपनी को कोई बड़ी वित्तीय क्षति नहीं हुई है। हालांकि, भूषण ने मनोज की कठिन परिस्थितियों के प्रति सहानुभूति व्यक्त की थी, लेकिन कंपनी के आंतरिक ऑडिट के दौरान यह मुद्दा सामने आने की संभावना भी विद्यमान है। इससे भूषण के वर्तमान रोजगार के साथ-साथ भविष्य की नौकरी की संभावनाओं पर भी खतरा पैदा हो जाएगा।

**(a)** भूषण के समक्ष विद्यमान नैतिक दुविधाएं कौन-सी हैं?

**(b)** भूषण के पास क्या विकल्प हैं? इनमें से प्रत्येक का उसके गुण और दोषों के साथ मूल्यांकन कीजिए।

(उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

Bhushan is an experienced sales representative at a large multinational information technology company. He has worked there for the past many years and has developed strong friendships within the company. Bhushan has been good friends with Manoj since they joined the company around the same time.

Over the last few months, Manoj shared with Bhushan some of the financial challenges that he has been facing on a personal level. Bhushan did his best to be a supportive friend. Manoj had also informed Bhushan that he was taking some risky moves at work to come up with some extra money to support his family. However, he never fully disclosed what that entailed.

Unexpectedly, Manoj left the company, leaving Bhushan shocked and suspicious. Bhushan was assigned to take over Manoj's sales territories. During the transition, he discovered the extent of the financial harm that the company suffered as a result of Manoj's actions. Through careful examination of sales transactions and accounting records, it became evident to Bhushan that Manoj had engaged in some seemingly fraudulent activities.

Reflecting on their past conversations, Bhushan realized that Manoj's desperate need for quick money had likely driven him to engage in such behaviour. Bhushan felt a sense of responsibility and questioned whether he could have

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

prevented the situation. Bhushan wants to disclose all he knows to the company but he is worried that doing so might lead to serious consequences for Manoj, who was already dealing with significant challenges.

It is to be noted that Manoj's conduct did not cause a substantial financial loss to the company. Although Bhushan empathized with Manoj's difficult circumstances, there is a possibility that this issue may surface during an internal audit by the company. This would pose a threat to Bhushan's current employment as well as future job prospects.

**(a)** What are the ethical dilemmas that Bhushan faces?

**(b)** What options does Bhushan have? Evaluate each of these with their merits and demerits. (Answer in 250 words) 20

प्रस्तुत केस अध्ययन व्यक्तिगत हित vs. कंपनी के प्रति दायित्व, भ्रष्टाचार, घनिष्ठ मित्रता, कार्पोरेट गवर्नेंस आदि मुद्दों पर आधारित है।

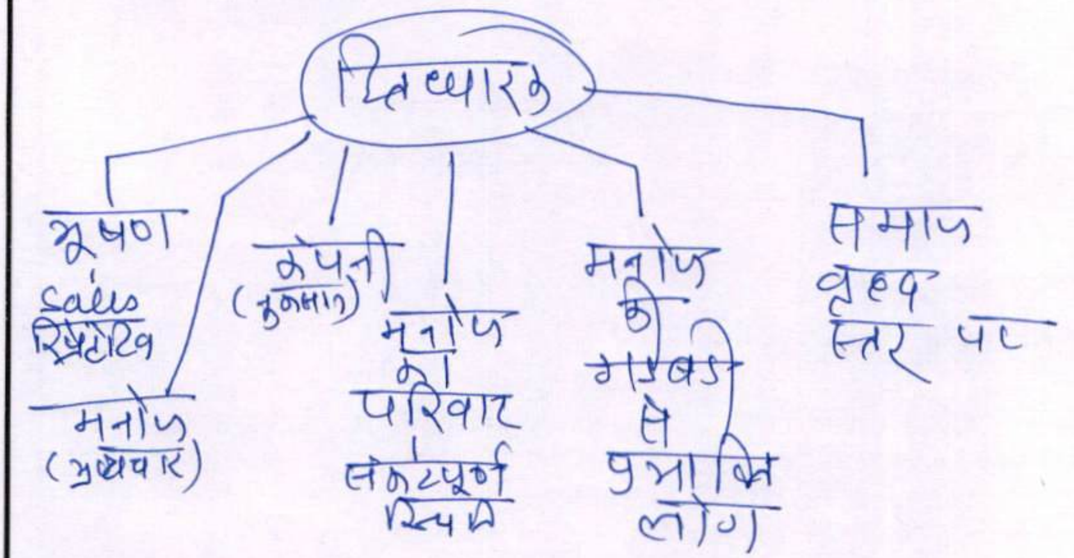


(a) भूषण के समक्ष विद्यमान नैतिक दुविधाएँ —

(1) कर्तव्यपालन vs. मित्रता

(2) कंपनी के हित vs. स्वहित

(3) सार्वजनिक हित vs. स्वहित

(4) स्वहित vs. मित्र के हित

(5) सत्यनिष्ठा vs. मित्र की पारिवारिक मजबूरियाँ

(6) प्रभावित लोगों के हित vs. मित्र के हित

(7) मनोज के परिवार की स्थिति vs. स्वयं के रोजगार की संभावनाओं के लिए खतरा

(8) जवाबदेही vs. संकुचित हित

(b) भूषण के पास विकल्प —

| विकल्प | पक्ष | विपक्ष |
|---|---|---|
| 1) मनोज द्वारा की गई धोखाधड़ी की जांच रिपोर्ट बनाकर कंपनी को सौंप देना | - कर्तव्यों का पालन<br>→ कंपनी के हित के अनुरूप<br>→ आंतरिक ऑडिटिंग के कारण अपनी नौकरी की संभावनाओं पर खतरा को हटाना<br>→ सत्यनिष्ठा के अनुरूप<br>- जवाबदेहिता | - मनोज की मित्रता के अनुकूल नहीं उसका परिवार और अधिक चुनौतीपूर्ण स्थिति में जा सकता है<br>→ मित्रता समाप्त हो सकती है |

2356
VISION IAS™
Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

| | पक्ष | विपक्ष |
|---|---|---|
| 2) अपनी जाँच को छुपा लेना | • अपने मित्र को बचाया जा सकता है। • उसके परिवार को चुनौतीपूर्ण स्थिति से बचाया जा सकता है। | → बाद में आंतरिक ऑडिट से मनोज व भूषण दोनों के लिए समस्याएँ उत्पन्न हो सकती हैं। → सत्यनिष्ठा के विरुद्ध → नियमों के विरुद्ध – कॉर्पोरेट गवर्नेंस के विरुद्ध → कर्तव्यों का पालन नहीं। कर्तव्य >> मित्रता |
| | पक्ष | विपक्ष |
| 3) अपनी जाँच रिपोर्ट कंपनी को सौंपकर मनोज के परिवार की सहायता के लिए कंपनी से अनुग्रह करना व अपने | – सत्यनिष्ठा, पारदर्शिता, जवाबदेहिता। कॉर्पोरेट गवर्नेंस के अनुरूप – कर्तव्यपालन | मनोज के परिवार की स्थिति चुनौतीपूर्ण हो सकती है यदि पर्याप्त मदद नहीं की गई। |

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

| | |
|---|---|
| स्तर पर भी आवश्यक कदम उठाना | आंतरिक ऑडिटिंग से पहले ही सम्पूर्ण मुद्दे को सामने रखना पारदर्शिता को दर्शाता है<br>- सार्वजनिक हितों को प्राथमिकता<br>- मनोज के परिवार की सहायता की जा सकती है |

किसी भी स्थिति मे अपने मूल्यो से समझौता नही किया जा सकता है। कर्तव्य पालन नैतिकता का रूप है (कांट का कर्तव्यवादी सिद्धांत) इसका स्थान मित्रता जैसे मूल्यो से काफी ऊपर है। अत: अपने पद के अनुरूप कर्तव्यो के पालन पर ध्यान रखते हुए कार्यवाही की जानी चाहिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

10. शहरी विकास विभाग में एक वरिष्ठ अधिकारी के रूप में, आप प्राचीन स्मारकों और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के लिए प्रसिद्ध एक शहर में एक महत्वपूर्ण विकास परियोजना की देख-रेख करते हैं। यह शहर यूनेस्को के विश्व धरोहर शहर का दर्जा प्राप्त करने का दावेदार है। परियोजना का लक्ष्य प्रमुख ऐतिहासिक स्थलों तक पहुंच में वृद्धि करने हेतु एक नए गलियारे का निर्माण करना, उसके बुनियादी ढांचे को उन्नत करना और पर्यटकों की बढ़ती संख्या से उत्पन्न होने वाली जरूरतों को समायोजित करने के लिए वाणिज्यिक परिसरों की स्थापना करना है।

इस विकास पहल में कई ऐतिहासिक इमारतों को ध्वस्त करना भी शामिल है, जिनमें से कई शहर की सांस्कृतिक और स्थापत्य पहचान का अभिन्न अंग हैं और जो सदियों से खड़ी हैं। इस कार्रवाई से निवासियों और दुकानदारों सहित स्थानीय निवासियों में काफी अशांति फैल गई है, जो विस्थापित होने और संभावित रूप से अपर्याप्त मुआवजा मिलने से चिंतित हैं। विभिन्न सांस्कृतिक समूहों ने यह तर्क देते हुए विरोध किया है कि यह परियोजना शहर के ऐतिहासिक महत्त्व को खतरे में डालती है। चूंकि यहां के ऐतिहासिक स्थलों को ध्वस्त करने से इसके धरोहर संबंधी परिदृश्य में भारी बदलाव हो सकता है, इसलिए यूनेस्को विश्व धरोहर शहर के दर्जे के संबंध में इन विकासों से होने वाले संभावित प्रभाव के बारे में भी चिंता विद्यमान है। सरकार द्वारा इस परियोजना के भविष्य के बारे में निर्णय लेने की जिम्मेदारी आपको सौंपी गई है।

(a) इस परिदृश्य में शामिल नैतिक मुद्दों का उल्लेख कीजिए।

(b) आपके लिए उपलब्ध विकल्पों का मूल्यांकन कीजिए। परियोजना के भविष्य के बारे में आप क्या निर्णय लेंगे? (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

As a senior officer in the Urban Development Department, you oversee a significant development project in a city celebrated for its ancient monuments and rich cultural heritage. This city is a contender for the UNESCO World Heritage City designation. The project aims to construct a new corridor to enhance access to key historical sites, upgrade infrastructure, and establish commercial complexes to accommodate the needs of an expanding tourist base.

This development initiative entails the demolition of numerous historic buildings, many of which are integral to the city's cultural and architectural identity, having stood for centuries. This action has sparked substantial unrest among local inhabitants, including residents and shopkeepers, who are worried about being displaced and potentially receiving insufficient compensation. Various cultural groups have protested, arguing that the project endangers the city's historical essence. There is also concern about the potential impact of these developments on the city's UNESCO World Heritage City candidacy, as demolishing historical sites could drastically transform its heritage landscape. The responsibility to take a decision about the project's future has been assigned to you by the Government.

**(a)** Mention the ethical issues involved in the scenario.

**(b)** Evaluate the options available to you. What decision will you take about the future of the project? (Answer in 250 words) 20

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

प्रस्तुत केस अध्ययन, सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण हेतु परियोजना व इसमें शामिल विभिन्न राष्ट्रीय, सामाजिक, सांस्कृतिक, मानवीय मुद्दों के साथ अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों (UNESCO का दर्जा) को शामिल करती है।

हितधारक

- मैं (शहरी विकास विभाग में वरिष्ठ अधिकारी)
- UNESCO
- स्थानीय निवासी (असुविधा)
- दुकानदार (मुआवजा)
- सांस्कृतिक (गर्व) (स्वतंत्र ऐतिहासिक इमारतों)
- पर्यटक (सुविधा)
- समाज वृहद स्तर पर
- पूरा शहर: ऐतिहासिक धरोहर के रूप में।

a) इस परिदृश्य में शामिल नैतिक मुद्दे —

1) विकास परियोजना →
- बुनियादी ढांचा
- वाणिज्यिक परिसर
- गलियारे का निर्माण

↓

स्थानीय आर्थिक व सांस्कृतिक स्थिति को बल।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2) स्थानीय निवासियों मे अशांति व उनके हित
3) परियोजना द्वारा शहर का ऐतिहासिक महत्व खतरे मे।
4) UNESCO द्वारा धरोहर शहर का दर्जा समाप्त भी किया जा सकता है।
5) सांस्कृतिक व ऐतिहासिक इमारतो का ध्वस्त करना
6) सांस्कृतिक व स्थापत्य पहचान का संरक्षण
7) अपर्याप्त मुआवजा
8) शहर का आर्थिक व सांस्कृतिक विकास vs. वर्तमान स्थिति को बनाए रखना।

(b) उपलब्ध विकल्प

1) परियोजना को जारी रखना

| पक्ष | विपक्ष |
| --- | --- |
| - शहर मे पर्यटकों की संख्या मे वृद्धि उनकी जरूरतो को पूर्ण कियाजाना | - स्थानीय निवासियों की समस्या को हल नही करता<br>→ ऐतिहासिक महत्व की इमारतो का ध्वस्त होना |

2356
VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

| | |
|---|---|
| - आर्थिक विकास<br>→ बुनियादी ढांचे का उन्नत होना | - सांस्कृतिक विरासत के रूप में पहचान के रूप मे शहर पर संकट<br>- UNESCO के धरोहर के दर्जे पर संकट<br>- संविधान के मौलिक कर्तव्य व अनु 49 के विरुद्ध |

2) परियोजना को समाप्त कर देना

| पक्ष | विपक्ष |
|---|---|
| - स्थानीय निवासियों के हित मे<br>- सांस्कृतिक महत्व की इमारतो को ध्वस्त होने से बचाया जा सकेगा।<br>- UNESCO का दर्जा बना रहेगा।<br>- सांस्कृतिक समूहो के विरोध को रोका जा सकेगा। | - पर्यटकों की कमी संख्या<br>↓<br>शहर मे कई चुनौतियाँ उत्पन्न कर सकती है<br>→ बुनियादी ढांचे का विकास प्रभावित होना |

- परियोजना के भविष्य के बारे मे निर्णय —

- परियोजना पर पुनर्विचार किया जाए तथा सांस्कृतिक व ऐतिहासिक इमारतों को चिन्हित करना → इन्हें किसी भी अवस्था में ध्वस्त न किया जाए इसके अनुरूप वैकल्पिक प्लान बनाया जाना चाहिए।
- वैकल्पिक प्लान के निर्माण में सभी हितधारकों के हित शामिल होने चाहिए और निम्न बातों का ध्यान रखा जाना चाहिए -
  - सभी को यथोचित मुआवजा मिले
  - ऐतिहासिक विरासत का संरक्षण हो
  - जहाँ तक संभव हो ऐतिहासिकता में हस्तक्षेप न किया जाए
  - सांस्कृतिक समूहों व स्थानीय निवासियों को संवाद प्रक्रिया में शामिल करना।
- बेहतर संतुलित प्लान के माध्यम से बुनियादी संधारणीय प्रक्रियाओं का पालन किया जा सकेगा साथ ही शहर की ऐतिहासिकता की रक्षा भी की जा सकेगी।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. आप एक प्रतिष्ठित निजी कंपनी के CEO हैं। हाल ही में आपकी कंपनी एक अवांछित स्थिति में फंस गई है। कथित तौर पर सोशल मीडिया पर एक वीडियो प्रसारित हो रहा है जिसमें एक व्यक्ति एक महिला के साथ मारपीट करते हुए दिख रहा है। यह वीडियो अत्यधिक देखा गया है, इसने मीडिया चैनलों का ध्यान आकर्षित किया है और वीडियो में व्यक्ति के व्यवहार के बारे में टीवी समाचार चैनलों पर बहस छिड़ गई है। कुछ सोशल मीडिया यूजर्स ने आरोप लगाया है कि वीडियो में दिख रहा व्यक्ति आपकी कंपनी का एक कर्मचारी है। आपकी कंपनी के हैंडल(company's handle) को इस विषय के संबंध में सोशल मीडिया चर्चाओं में टैग किया गया है, जिससे इसकी प्रतिष्ठा पर काफी असर पड़ा है। कंपनी पर कर्मचारी को तुरंत बर्खास्त करने का भारी दबाव है।

कंपनी के निवेशक आप पर कर्मचारी को तुरंत नौकरी से हटाने के मुद्दे पर विचार करने का दबाव बना रहे हैं। उनकी चिंता है कि मामला सामने आने पर कंपनी की प्रतिष्ठा धूमिल हो सकती है। इस स्थिति के बावजूद, आप कंपनी के साथ कर्मचारी के दीर्घकालिक जुड़ाव के साथ-साथ उसके पिछले प्रदर्शन को ध्यान में रखते हुए कार्रवाई करने में सतर्कता पूर्वक व्यवहार करते हैं। आप यह भी जानते हैं कि कर्मचारी लगातार मीडिया स्क्रूटनी के कारण गंभीर मानसिक तनाव में है और कंपनी द्वारा उसकी सेवाओं को निलंबित करने से उसकी वित्तीय स्थिरता, करियर की संभावनाएं और प्रतिष्ठा खतरे में पड़ जाएगी।

इसके अलावा, बिना ठोस सबूत के इस कर्मचारी के खिलाफ कार्रवाई करना आपकी ओर से पूर्वाग्रह से ग्रसित या अन्यायपूर्ण माना जा सकता है। इसके विपरीत, निर्णायक रूप से प्रतिक्रिया देने में विफलता का अर्थ अस्वीकार्य व्यवहार को माफ करना या नजरअंदाज करना हो सकता है, जो संभावित रूप से नैतिक आचरण और सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता को कमजोर कर सकता है।

(a) इस प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।

(b) इस प्रकरण में आपके समक्ष कौन-से विकल्प उपलब्ध हैं?

(c) आप कौन-सा विकल्प चुनेंगे और क्यों? (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

You are the CEO of a reputed private company. Recently, your company got entangled in an unwanted situation. A video is purportedly circulating on social media that shows a man hitting a woman incessantly. The video has gained traction, drawing the attention of media channels and sparking debates on TV news channels regarding the behaviour of the person in the video. Some social media users have alleged that the person in the video is one of your employees. Your company's handle has been tagged in social media discussions on the subject, significantly impacting its reputation. There is immense pressure on the company to immediately sack the employee.

The investors of the company are pressurising you to look into the termination of the employee immediately. Their concern is that the company's reputation can be tarnished as the case unfolds. Despite this situation, you are cautious in taking action considering the long-term association of the employee with the company as well as his past performance. You also know that the employee is under severe mental distress due to ongoing media scrutiny and suspending his services by the company would jeopardize his financial stability, career prospects and reputation.

Moreover, taking action against this employee without concrete evidence could be perceived as prejudiced or unjust on your part. Conversely, failure to respond decisively may imply condoning or overlooking unacceptable behavior,

potentially undermining the company's commitment to ethical conduct and social responsibility.

**(a)** Discuss the ethical issues involved in this case.

**(b)** What are the options available to you in this case?

**(c)** Which option would you choose and why? (Answer in 250 words) 20

उपर्युक्त प्रकरण सोशल मीडिया, कार्पोरेट गवर्नेंस, व्यक्तिगत हित vs सार्वजनिक हित, न्याय vs अन्याय, कंपनी की प्रतिष्ठा, दबाव के समय निर्णय लेने की क्षमता, सत्यनिष्ठा, जवाबदेहिता जैसे मूल्यों व मुद्दो पर आधारित है।

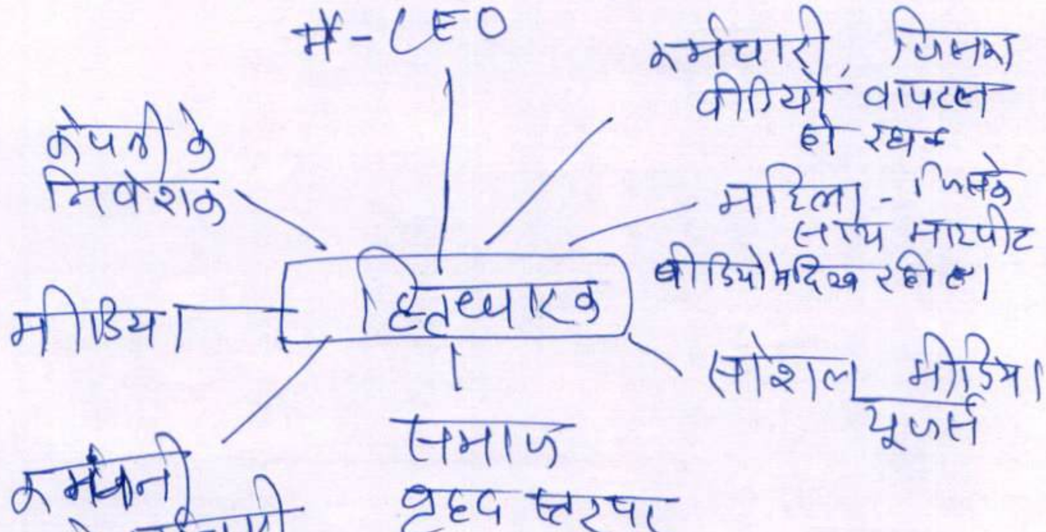


a) प्रकरण मे शामिल नैतिक मुद्दे –

1) कार्पोरेट गवर्नेंस
2) टैग किए जाने से वृहद स्तर पर कंपनी की प्रतिष्ठा का मुद्दा
3) कंपनी के निदेशकों का दबाव

(4) वीडियो की सत्यता

(5) महिला के साथ मारपीट - लैंगिक समानता के विरूद्ध

(6) कंपनी की कर्मचारियों के प्रति प्रतिबद्धता

(7) न्याय vs. अन्याय का निर्धारण (ठोस सबूत का अभाव)

(8) कर्मचारी का मानसिक तनाव

(9) हितों का संघर्ष (नैतिक द्वंद्व)

(10) कंपनी की सामाजिक उत्तरदायित्व व प्रतिबद्धता

(11) अल्पकालिक व दीर्घकालिक हित

(b) कौन से विकल्प उपलब्ध है?

1) कर्मचारी के खिलाफ कार्यवाही करना

| पक्ष | विपक्ष |
| --- | --- |
| → प्रतिष्ठा को बचाया जा सकेगा | ↳ इससे ठोस सबूतों के बिना अन्याय को बढावा मिलेगा<br>↳ कर्मचारी के मानसिक अवसाद को बढावा |

2) कर्मचारी के खिलाफ कार्यवाही न करना -

2356
VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

| पक्ष | विपक्ष |
| --- | --- |
| - पर्याप्त सबूतों का अभाव है ↓ अन्याय होने से बचाया जा सकता है | → कंपनी की प्रतिष्ठा पर नकारात्मक प्रभाव<br>→ कंपनी के निवेशकों का आपकी कंपनी से विश्वास हट सकता है।<br>→ कर्मचारियों का दबाव |

3) वीडियो की सत्यता की जाँच के बाद निर्णय लेना

| पक्ष | विपक्ष |
| --- | --- |
| 1) न्याय मिलेगा<br>2) कंपनी की प्रतिष्ठा को बचाया जा सकेगा<br>→ कॉर्पोरेट गवर्नेंस के अनुरूप<br>→ सत्यनिष्ठा<br>→ जवाबदेहिता<br>— पारदर्शिता का पालन | → समय लग सकता है ↓ कंपनी की प्रतिष्ठा को और अधिक नुकसान |

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

c) कौन सा विकल्प व क्यों?

- (3) विकल्प को चुना जाना चाहिए
वीडियो की सत्यता जाँचना अत्यंत आवश्यक है वर्तमान मे डीपफेक व अफवाहो व AI के अनुप्रयोगो के कारण यह सर्वाधिक महत्वपूर्ण कदम है।

→ वीडियो की सत्यता की जाँच

अगर कर्मचारी दोषी है
↓
- उसके खिलाफ FIR दर्ज कराना
→ महिला के बारे मे जानकारी एकत्र कर उसे स्वास्थ्य सुविधा व कानूनी सुविधा उपलब्ध कराने मे मदद करना
→ साथ ही अन्य कर्मचारियों को ऐसे महिलाओं के प्रति हिंसा के प्रति आगाह करना।

कर्मचारी दोषी नही है
↓
तो पर्याप्त सबूतो के साथ एक वीडियो जारी करना जिसमे उस वीडियो को दर्शाया गया हो जिसका प्रयोग करके वो फेक वीडियो बनाई गई हो
↓
- सार्वजनिक सूचना जारी करना
→ मीडिया चैनलो को उस वीडियो से संबंधित जानकारी देना
→ निवेशको को विश्वास दिलाना कि कंपनी सदैव नैतिकता के पक्ष मे रही है व रहेगी।

12. आप हिमाचल प्रदेश के एक जिले में जिला कलेक्टर के रूप में पदस्थापित हैं। यह जिला भूकंपीय क्षेत्र V के अंतर्गत आता है और मानसून के मौसम के दौरान भूस्खलन के प्रति अतिसंवेदनशील है। इस वर्ष मानसून के आगमन के बाद से राज्य में पहले ही भूस्खलन के 35 बड़े मामले दर्ज किए जा चुके हैं, जो पिछले वर्ष की तुलना में दोगुने हैं। हाल ही में, आपको अपने जिले के कुछ क्षेत्रों में भारी वर्षा के पूर्वानुमान के संबंध में राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण से एक एडवाइजरी प्राप्त हुई है। आपको स्पष्ट रूप से कहा गया है कि स्थानीय लोगों को उन असुरक्षित घरों से हटा दें जिनमें दरारें आ गई हैं और ढहने के प्रति संवेदनशील हैं। हालांकि, आपको उन स्थानीय निवासियों के कड़े प्रतिरोध का सामना करना पड़ता है जो अपनी अनुपस्थिति में अपनी संपत्तियों की होने वाली क्षति के भय से अपने घरों को छोड़ने से डर रहे हैं। स्थानीय विपक्षी नेता भी इस संवेदनशील क्षेत्र में गैर-योजनाबद्ध और बेतरतीब निर्माण को नियंत्रित करने में विफलता का हवाला देते हुए जिला प्रशासन पर दबाव बना रहे हैं। इसके अलावा, आप पाते हैं कि इन क्षेत्रों में हिमाचल प्रदेश टाउन एंड कंट्री प्लानिंग एक्ट, 1977 के उपबन्धों का उल्लंघन करते हुए कई होटल और रिसॉर्ट्स का गैर-योजनाबद्ध तरीके से निर्माण किया गया है। यह गैर-योजनाबद्ध निर्माण पर्यावरण विशेषज्ञों और हिमाचल प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की कई चेतावनियों के बावजूद किया गया है।

**(a)** इस प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।

**(b)** उपर्युक्त प्रकरण में आपके द्वारा की जाने वाली कार्रवाई का उल्लेख कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

You are posted as a District Collector in one of the districts of Himachal Pradesh. The district comes under Seismic Zone V and is susceptible to landslides during monsoon season. The state has already recorded 35 major landslides since the onset of monsoon this year, which is twice as compared to the previous year. Recently, you got an advisory from the State Disaster Management Authority regarding prediction of heavy rainfall in some areas of your district. You have been categorically told to evacuate local people from unsafe houses that have developed cracks and are vulnerable to sinking. However, you face stiff resistance from local residents who are apprehensive to leave their houses fearing damage to their properties in their absence. The local opposition leader is also putting pressure on the district administration citing its failure in controlling unplanned and haphazard construction in this sensitive area. Moreover, you find that there have been many unplanned construction of hotels and resorts in these areas flouting the Himachal Pradesh Town and Country Planning Act, 1977. This is despite several warnings by environmental experts and the Himachal Pradesh State Disaster Management Authority.

**(a)** Discuss the ethical issues involved in this case.

**(b)** Mention the course of action that you will take in above case. (Answer in 250 words) 20

2356
VISION IAS™
Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

प्रस्तुत केस अध्ययन प्राकृतिक आपदाओं के प्रति संवेदनशीलता, असंधारणीय विकास परियोजनाएँ, पर्यावरणीय नैतिकता, लोगों की सुरक्षा, कानूनों का पालन आदि मुद्दों को समाहित किए हुए है।

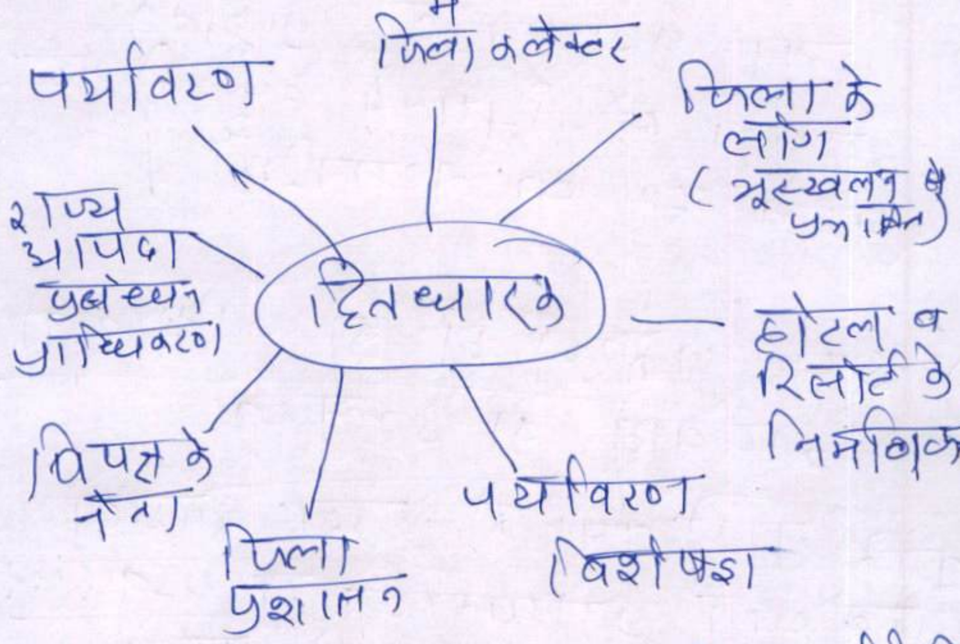


4) इस प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे —

1) पर्यावरणीय नैतिकता
2) असंधारणीय व और योजनाबद्ध व बेतरतीब निर्माण
3) प्राकृतिक आपदाएँ
4) संवेदनशील क्षेत्रों में निर्माण

2356
VISION IAS™
Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5) टाउन एण्ड कंट्री प्लानिंग एक्ट 1977 के उपबंधों का उल्लंघन
6) होटल व रिसॉर्ट्स का निर्माण
7) स्थानीय निवासियों की संपत्ति की रक्षा
8) विशाल जन धन की हानि
9) जिला प्रशासन की प्राकृतिक आपदा से निपटने हेतु की गई पहले से की तैयारियां।

(5) इस प्रकरण में की जाने वाली कार्यवाही का उल्लेख

- चूंकि भारी वर्षा की राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण से एडवाइजरी प्राप्त हुई है तो सबसे पहले आवश्यक है इस संवेदनशील क्षेत्र का सुरक्षित स्थान पर पुनर्वास किया जाए।
- इस पुनर्वास वाले स्थान पर पर्याप्त पानी, भोजन, चिकित्सा आदि की सुविधाएं उपलब्ध कराई जानी चाहिए।
- इस पुनर्वास में संवेदनशील वर्ग लोग जैसे - वृद्ध, दिव्यांग, गर्भवती

महिला, रोगी आदि के लिए
विशेष प्रावधान किए जाए।
→ राज्य में राज्य आपदा बलों को
जरूरत के अनुरूप तैनात किया जाए
- पर्याप्त चेतावनियां जारी
की जानी चाहिए वो भी स्थानीय
भाषा में स्पष्ट रूप से।
→ जो लोग प्रतिरोध कर रहे हैं
उन्हें स्थिति की गंभीरता से
परिचय कराकर उनका पुनर्वास
करना।
→ जो कानूनों के उल्लंघन से
संबंधित है जैसे होटल व रिसोर्ट
आदि। उनकी पूरी जांच रिपोर्ट
तैयार की जाए। उसके आधार
पर कानूनी प्रक्रिया अपनाई
जानी चाहिए।
→ विपक्षी दलों के स्थानीय नेता से
संवाद करना उन्हें बताना कि
प्रशासन द्वारा कौन से कदम उठाए
जा रहे हैं तथा उनसे आग्रह करना
कि इस संवेदनशील स्थिति में
वे प्रशासन के साथ सहयोग
करें।

2356
VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

- HP टाउन एंड कंट्री प्लानिंग एक्ट के कार्यान्वयन पर बल देना।
- भूस्खलन से संबंधित राष्ट्रीय आपदा प्राधिकरण की गाइडलाइंस के अनुरूप बेहतर कदम उठाना व तैयारियाँ करना।
- सभी विभागों के मध्य समन्वय बढ़ाना।
- पर्यावरणीय प्रभाव निर्धारण (EIA) के आधार पर ही विकास परियोजनाओं के संधारणीय विकास को बल देना।
- भूस्खलन से निपटने हेतु स्थानीय लोगों के उपाय, वैज्ञानिक तरीके, NDRA के तरीकों को समन्वित रूप से क्रियान्वित करना।
- पर्यावरणीय संधारणीयता हेतु कदम उठाना जैसे – वृक्षारोपण, सिंचाई की बेहतर पद्धति आदि।

पर्यावरणीय नैतिकता के माध्यम से ही विकास को दीर्घकालिक व संधारणीय बनाया जा सकता है।